

श्यामा स्त्री. (तत्.) 1. राधा 2. मधुर स्वर वाला एक प्रसिद्ध काला पक्षी 3. तुलसी का वृक्ष, श्यामा तुलसी 4. कोयल नामक पक्षी 5. नील दूर्वा 6. रात्रि 7. साँवले रंग की स्त्री 8. षोडश वर्षीय सुंदर तरुणी स्त्री 9. यमुना 10. संतानोत्पत्ति रहित स्त्री 11. कस्तूरी वि. साँवले या काले रंग वाली।

श्यामाक पुं. (तत्.) एक प्रकार का अन्न, धान्य, सावां चावल।

श्यामायमान वि. (तत्.) 1. जो साँवले रंग के रूप में आभासित हो रहा हो 2. श्री कृष्ण के प्रेम रंग में रंगा हुआ।

श्यामा-श्याम पुं. (तत्.) राधा और कृष्ण।

श्यामिका स्त्री. (तत्.) 1. साँवलापन, कालापन 2. मलिनता 3. दोष।

श्यामित वि. (तत्.) जो काला किया गया हो, श्याम रंग किया हुआ।

श्याव वि. (तत्.) 1. धूम रंग वाला, धुमैला 2. भूरा पुं. भूरा रंग।

श्यावता पुं. (तत्.) आयु. शारीरिक रक्त में आक्सीजन की न्यूनता होने से त्वचा (खाल) का नीला पड़ जाना।

श्यावास्य वि. (तत्.) कपिश रंग के मुख वाला, जिसमें काला और पीला रंग मिला हुआ हो, भूरा या बादामी।

श्वेत वि. (तत्.) श्वेत, सफेद पुं. शुक्ल वर्ण।

श्वेनपाता स्त्री. (तत्.) बाज पक्षी द्वारा अन्य पक्षियों के शिकार कराने की प्रक्रिया, मृगया।

श्वेन पुं. (तत्.) 1. एक पक्षी जो अन्य सभी पक्षियों पर झपट्टा मारकर शिकार करता है, बाज 2. हिंसा 3. पीला रंग 4. दोहे का एक भेद 5. सफेद वि. पीले रंग का।

श्वेन करण पुं. (तत्.) 1. बाज की भाँति झपटते हुए किसी कार्य को करना 2. किसी कार्य को

बाज की तरह तीव्रता से सक्रिय होते हुए निष्पन्न करना 3. उतावलापन।

श्वेनिका स्त्री. (तत्.) 1. मादा बाज पक्षी 2. 'श्वेनी' नाम का एक वर्णवृत्त जिसके प्रत्येक चरण में ग्यारह अक्षर होते हैं तथा क्रम से रगण, जगण, रगण और अंत में एक लघु और एक गुरु होता है।

श्वेनी स्त्री. (तत्.) दे. 1. श्वेनिका 2. मार्कण्डेय पुराण के अनुसार कश्यप की एक कन्या जो पक्षियों की जननी थी।

श्वोनाक पुं. (तत्.) 1. सोनापाठा नाम का एक वृक्ष 2. लोध्र, लोध।

श्रद्धा स्त्री. (तत्.) 1. सम्माननीय या बड़ों के प्रति हृदय में रहने वाला आदर व स्नेहभाव, पूज्य भाव 2. वेदादि शास्त्रों और विद्वान पुरुषों के वचनों पर विश्वास, भक्ति आस्था 3. कर्दम मुनि की एक कन्या जो अत्रि ऋषि की पत्नी थी 4. वैवस्वत मनु की पत्नी 5. सूर्य की कन्या 6. एक समवार्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 9 वर्ण होते हैं तथा 6-3 पर यति होती है।

श्रद्धान वि. (तत्.) श्रद्धा रखने वाला, श्रद्धालु, श्रद्धायुक्त।

श्रद्धाप्रवण पुं. (तत्.) श्रद्धावान।

श्रद्धालु वि. (तत्.) 1. श्रद्धा भाव रखने वाला, श्रद्धायुक्त 2. कामनायुक्त 3. दोहद वाली (वह गार्भिणी स्त्री जो किसी वस्तु की कामना करती है)।

श्रद्धावान् वि. (तत्.) जो अपने से बड़ों के प्रति या पूज्यजनों के प्रति हृदय में सम्मान की भावना रखता हो।

श्रद्धास्पद वि. (तत्.) 1. जो श्रद्धा का पात्र हो, जो श्रद्धा के योग्य हो, श्रद्धेय 2. पूजनीय।

श्रद्धेय वि. (तत्.) 1. जो श्रद्धा करने के योग्य हो 2. प्रेम और भक्ति के योग्य।

श्रपण स्त्री. (तत्.) श्रपण (स्त्री) उबालने की एक प्रक्रिया।